महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं!
शुभ दिपावली!

द रुरल कनेक्ट

खंड 02 अंक 5
नवंबर 2022

"हमारी नई शिक्षा नीति 2020 महात्मा गांधी जी के 'नई तालीम' के दर्शन का अनुसरण करती है। जैसा कि भारत गांधी जयंती मना रहा है, शिक्षार्थियों को 'वैश्विक नागरिकों' में बदलने पर अपने अंतर्निहित फोकस के साथ एन.ई.पी. 2020 बापू को एक उपयुक्त श्रद्धांजलि है" - **केंद्रीय शिक्षा मंत्री और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने गांधी जयंती के अवसर पर यह बात कही।**

स्किलिंग, री-स्किलिंग, अप-स्किलिंग के लिए एक अम्ब्रेला फ्रेमवर्क - श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सार्वजनिक परामर्श के लिए **नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एन.सी.आर.एफ.)** का मसौदा प्रस्तुत किया। भारत सरकार ने दोनों के बीच लचीलापन और गतिशीलता सुनिश्चित करने के लिए अकादमिक और व्यावसायिक डोमेन के एकीकरण को सक्षम करने के लिए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क (एन.सी.आर.एफ.) विकसित किया है। एन.सी.आर.एफ. छात्रों की आगे की प्रगति और व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के साथ स्कूल और उच्चतर शिक्षा के अंतर-मिलन के लिए कई विकल्प खोलकर एक गेम चेंजर होगा, इस प्रकार कौशल और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्यधारा में लाएगा। श्री प्रधान ने जोर देकर कहा कि हमें भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है, अगले 25 वर्षों में एक विकासित भारत के दृष्टिकोण को पूरा करना है और अपनी 100% आबादी को सशक्त बनाना है और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क एन.ई.पी. के तहत सबसे महत्वपूर्ण साधन होगा।

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने उत्तराखंड में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वियन के लिए कार्यक्रम में भाग लेते हुए उत्तराखंड में शिक्षा और कौशल क्षेत्रों में की गई पहलों की समीक्षा की। उन्होंने एन.ई.पी. 2020 को लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए देवभूमि उत्तराखंड की सराहना की।

श्री प्रधान ने देश भर के 49 केंद्रीय विद्यालयों में आधारभूत चरण के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम फ्रेमवर्क और बालवाटिका की पायलट परियोजना का भी शुभारंभ किया, जो छात्रों को 21 वीं सदी की संज्ञानात्मक और भाषाई दक्षताओं से लैस करने में मदद करेगा।

कैरियर के अवसरों और व्यावहारिक प्रशिक्षण को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कौशल भारत मिशन के हिस्से के रूप में, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एम.एस.डी.ई.) ने देश भर में 280 स्थानों पर प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता मेलों का आयोजन किया। कौशल भारत मिशन को सुदृढ़ करते हुए एम.एस.डी.ई., प्रशिक्षण महानिदेशालय और एन.एस.डी.सी. जैसे अपने कार्यान्वयन संगठनों के माध्यम से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.), प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पी.एम.के.वी.वाई.), प्रधानमंत्री कौशल केंद्र (पी.एम.के.के.), और राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एन.ए.पी.एस.) जैसी विभिन्न कौशल प्रशिक्षण योजनाओं और पहलों को लागू कर रहा है, जिनका लक्ष्य युवाओं के कौशल प्रशिक्षण की दिशा में है। विशेष रूप से स्कूल / कॉलेज ड्रॉपआउट और उन्हें रोजगार योग्य कौशल के साथ सशक्त बनाता है। अब तक स्किल इंडिया मिशन के तहत विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के तहत 5.5 करोड़ से अधिक उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है।

स्रोत: pib.gov.in

महात्मा गांधी राष्ट्रीय उद्यमिता माह
20अक्टूबर - 19 नवंबर 2022
उद्यमिता पर प्रतियोगिताएं

देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में कौशल और उद्यमिता की आग बढ़ाना – एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण उद्यमिता, सामाजिक उद्यमिता, सतत विकास गतिविधियों, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल को बढ़ावा देने पर प्रतियोगिताओं के लिए आह्वान किया। **छात्र स्वयं सहायता समूहों का गठन**, एक व्यावसायिक गतिविधि का चयन, उत्पादन, विपणन, बिक्री और प्रयास का दस्तावेजीकरण - प्रतियोगिता का हिस्सा हैं। दीपावली (24 अक्टूबर), राष्ट्रीय उद्यमिता दिवस (9 नवंबर) और महिला उद्यमिता दिवस (19 नवंबर) महत्वपूर्ण दिवस हैं। सभी राज्यों में जिला कलेक्टरों और उच्चतर शिक्षा अधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय उद्यमिता माह पोस्टर लॉन्च किया गया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के पोस्टर का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के उच्चतर शिक्षा के प्रमुख सचिव डॉ. सुधीर बोबडे द्वारा किया जा रहा है

छात्र उद्यमिता - रोजगार के लिए युवाओं को कुशल बनाना 2022-23- देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम द्वारा जोरदार तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। सभी राज्यों में सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता, ग्रामीण उद्यमिता, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल पर कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं।

"विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा" पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला - ***अनुभवात्मक शिक्षा पद्धति के साथ संकाय को सशक्त बनाने के लिए कार्य योजना***

20 राज्यों के एस.सी.ई.आर.टी. ने भाग लिया!
17 -19 अक्टूबर 2022
स्कूल का दौरा, बैगलेस दिनों पर ध्यान केंद्रित करना, कौशल निर्माण गतिविधियां, जबरदस्त प्रतिक्रिया और परिणाम के साथ तीव्र सत्र

फोकस में कारीगरी और करोबारी!

शासी निकाय की 43वीं संयुक्त बैठक और परिषद की 33वीं बैठक
कौशल निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया गया....

परिषद एम.जी.एन.सी.आर.ई. की उपलब्धियों को मान्यता देने में एकमत थी और कौशल, व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता विकसित करने के लिए मंत्रालय के साथ तालमेल बिठाने पर जोर दिया।
डॉ. निरुपमा देशपांडे, प्रख्यात सामाजिक कार्य पेशेवर प्रो. एस. नटराजन, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान के कुलपति डॉ. उमामहेश्वर राव (आई.ए.एस., सेवानिवृत्त), डॉ. दीपक चोपड़ा, प्रिंसिपल, गवर्नमेंट बृजिंद्र कॉलेज, फरीदकोट पंजाब, डॉ. भरत पाठक, एम.जी.एन.सी.आर.ई. के उपाध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू जी प्रसन्न कुमार एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष और एम.जी.एन.सी.आर.ई. की सदस्य सचिव डॉ. टी. नागलक्ष्मी उपस्थित थीं। बैठक में एम.जी.एन.सी.आर.ई. की योजनाओं और उद्देश्यों - अतीत, वर्तमान और आगे के रास्ते पर विचार-विमर्श किया गया।

संपादक की टिप्पणी

गांधी जयंती हमारे लिए एक आदरणीय दिन है क्योंकि हम इसे नई तालीम और व्यावसायिक शिक्षा दिवस के रूप में मनाते हैं। गांधीजी की बेसिक शिक्षा का विशिष्ट लक्ष्य ग्रामीण विकास और शिक्षार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना है। यह मानव निर्माण और चरित्र निर्माण की प्रक्रिया है, अनिवार्य रूप से शिक्षा की सामान्य धाराओं से संबंधित मैनुअल और उत्पादक कार्य के रूप में शिल्प केंद्रित है। जैसा कि हम कौशल और उद्यमिता के साथ अपना प्रयास जारी रखते हैं, हमने देश भर में उच्चतर शिक्षा संस्थान (एच.ई.आई.) के साथ कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और अनुवर्ती गतिविधियों की एक श्रृंखला शुरू की है।

एस.सी.ई.आर.टी. के वरिष्ठ संकाय ने विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में सहायक अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, प्रत्येक डाइट में राज्य-वार एक एस.सी.ई.आर.टी. स्तर की कार्यशाला और कार्यशालाएं तैयार की जा रही हैं। सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषा और गणित में विषय पद्धति द्वारा कौशल विकास पहलू और पाठ्यचर्या कार्य योजनाओं की तैयारी और प्रस्तुति (एस.सी.ई.आर.टी., डाइट, विश्वविद्यालय) एजेंडे का हिस्सा थे।

देश 20 अक्टूबर से 19 नवंबर 2022 तक राष्ट्रीय उद्यमिता माह मना रहा है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. संस्थागत प्रकोष्ठों - सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण व्यस्तता (एस.ई.एस.आर.ई.), ग्रामीण उद्यमिता विकास (आर.ई.डी.) और व्यावसायिक शिक्षा, नई तालिम और अनुभवात्मक शिक्षण (वी.एन.टी.ई.एल.) को सक्रिय करने के लिए सभी प्रयास कर रहा है। प्रतियोगिता के पोस्टर जारी करने और शिक्षण संस्थानों को उद्यमिता गतिविधियों में भाग लेने के निर्देश देने के लिए जिला कलेक्टरों और प्रशासन प्रमुखों को शामिल करते हुए प्रचार जारी है। उच्चतर शिक्षण संस्थानों में छात्र स्वयं सहायता समूह (एस.एस.एच.जी.) का गठन किया जा रहा है जो चुनिंदा महत्वपुर्ण दिनों में अपनी व्यावसायिक गतिविधियों को आधार बनाएंगे और उन दिनों के आसपास उनकी पदोन्नति और बिक्री का संचालन करेंगे।

हमने अपने संकाय विकास केंद्र (एफ.डी.सी.) परिसर में 43 वीं शासी निकाय और परिषद् की 33 वीं बैठक की संयुक्त बैठक आयोजित की। मैं उन सदस्यों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने अपने बहुमूल्य इनपुट का योगदान दिया और आगे का रास्ता तय किया। कौशल निर्माण और ग्रामीण युवाओं को मुख्यधारा में लाने पर चर्चा की गई। व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता में हमारे काम को विस्तृत किया गया और अतीत, वर्तमान और भविष्य के काम की योजनाओं और उद्देश्यों को समझाया गया।

इसके महात्मा गांधी ग्रामीण इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत 27 प्रशिक्षुओं की भर्ती की गई है। वे राज्यों में व्यावसायिक शिक्षा और उद्यमिता को बढ़ावा देने पर कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। हमारे एफ.डी.सी. परिसर में उनके लिए एक सप्ताह का उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें उन्हें एच.ई.आई. के साथ नेटवर्किंग, राज्य सरकार प्रशासन और मशीनरी के साथ जुड़ने और संवाद करने, उद्यमिता और व्यावसायिक शिक्षा और रिपोर्टिंग तंत्र की बारीकियों को समझाया गया था।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने वर्ष 2022-23 के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप के लिए पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च करने वाले भारतीय विद्वानों / संकायों से आवेदन आमंत्रित किए हैं।
सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन के व्यापक विषय हैं: सामाजिक कार्य (सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण व्यस्तता);; ग्रामीण प्रबंधन (ग्रामीण उद्यमिता) और शिक्षक शिक्षा (व्यावसायिक शिक्षा और कौशल)

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने विभिन्न राज्यों के राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.) के संकाय के सहयोग से लघु अनुसंधान परियोजनाओं का आह्वान किया है। इस परियोजना में सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषा और गणित के लिए अपनाई गई पद्धतियों के माध्यम से कक्षा 9-12 शिक्षण-अधिगम लेनदेन के लिए सामग्री विश्लेषण - व्यावसायिक शिक्षा पद्धति का एकीकरण शामिल है। परियोजना को कक्षा 9 - 12 के लिए विषय द्वारा प्रत्येक पाठ के सामग्री विश्लेषण की आवश्यकता होती है, जो प्रत्येक पाठ में आवेदन के सीखने के उद्देश्य को पूरा करता है, जो इसे मांग में व्यवसायों के अभ्यास से जोड़ता है।

सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ! उत्सव की रोशनी हमें जीवन के कई पाठ सिखाती है। हम सभी एक साथ आगे बढ़ें और अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ आने वाले वर्ष में सफलता की नई ऊंचाइयों को छुएं।

डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

जैसा कि हम गांधी जयंती मना रहे हैं, मैं अपने देशवासियों को नई तालीम और व्यावसायिक शिक्षा दिवस की शुभकामनाएं देता हूं! गांधीजी ने "सीखते समय कमाई" पर जोर दिया था जो छात्रों में रचनात्मकता और दक्षता को बढ़ाता है। मुझे खुशी है कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. की गतिविधियां गांधीजी के आदर्शों के अनुरूप और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप हैं। ज्ञान गतिविधि और व्यावहारिक अनुभव से संबंधित होना चाहिए। स्कूलों और समुदाय के बीच घनिष्ठ एकीकरण की आवश्यकता है ताकि छात्रों को अधिक सामाजिक सोच वाले और सहकारी बनाया जा सके। समय की मांग है कि शिक्षा को फिर से उन्मुख किया जाए ताकि जनशक्ति को सही दिशा में निर्देशित किया जा सके। स्वरोजगार के लिए शिक्षा को रोजगारोन्मुखी और उत्पादक बनाने की जरूरत है।

मैं परिषद् के सदस्यों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने शासी निकाय और परिषद् की बैठक को संभव बनाया और एम.जी.एन.सी.आर.ई. की योजनाओं और उद्देश्यों पर अपने विशेषज्ञ विचारों को मुखर किया। 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का मूल उद्देश्य पाठ्यक्रम और ज्ञान के बारे में एक 'प्रतिमान बदलाव' का मार्ग प्रशस्त करना था - 'विषय उन्मुखीकरण ' से 'पद्धति उन्मुखीकरण ' में बदलाव। वह कार्यशाला आगे काम के लिए टोन और मानसिकता निर्धारित की है. हमारे पास कार्यक्रम के परिणाम को एकीकृत करने की योजना है। राष्ट्र की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम में सुधार करने की आसन्न आवश्यकता है। उद्यमिता ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

उद्यमिता और उद्यमी व्यवहार शिक्षा और आजीवन सीखने के लिए महत्वपूर्ण उद्देश्य हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई का सामग्री विश्लेषण पर लघु अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आह्वान - सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषा और गणित के लिए अपनाई गई पद्धतियों के माध्यम से कक्षा 9-12 के लिए व्यावसायिक शिक्षा पद्धति का एकीकरण शिक्षण - अधिगम लेनदेन - समय के अध्ययन की आवश्यकता के रूप में उपयुक्त हैं। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, संकाय की आवश्यकता है जो तेजी से विकसित हो रहे सीखने के माहौल के अनुकूल हो सके। गांधीजी का नई तालीम पाठ्यक्रम व्यावसायिक और अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों में भाग लेकर प्राप्त कौशल और ज्ञान और तीन एच (हेड, हार्ट एंड हैंड) पर प्रभाव के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा की दृष्टि और दर्शन को समझने पर केंद्रित है। यह परियोजना व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े कार्य एक्शन अनुसंधान को बढ़ावा देती है।

संस्थागत प्रकोष्ठों के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के एजेंडे में संसाधन व्यक्ति, प्रशिक्षु और स्थानीय समन्वयक देश के राज्यों में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ नेटवर्किंग कर रहे हैं। छात्र उद्यमिता को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे छात्र स्वयं सहायता समूह बनाएं और महत्वपुर्ण दिनों में अपनी व्यावसायिक गतिविधि (उत्पाद की पहचान, उत्पादन, प्रचार, विपणन और बिक्री) को आधार बनाएं। जिला कलेक्टरों और शासन प्रशासनिक प्रमुखों द्वारा उद्यमिता पोस्टरों पर प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया।

सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं! त्योहारों का मौसम हर घर में खुशियां लेकर आए।

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई.

विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा

अनुभवात्मक शिक्षा पद्धति के साथ संकाय को सशक्त बनाने के लिए कार्य योजना

तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की दिशा तय करते हुए कहा कि **'कारीगरी** (कौशल) और **करोबारी**

(उद्यमिता) - युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के दो पहलू हैं। अंक उन्मुख शिक्षा को व्यावसायिक शिक्षा/कौशल उन्मुख शिक्षा को रास्ता देने की आवश्यकता है। आज की शिक्षा प्रणाली की तुलना दलान प्रशिक्षण से की जा सकती है। एक दलान केवल व्यक्ति के रैखिक विकास के लिए अनुमति देता है। यह एक कृत्रिम पोषण प्रणाली प्रदान करता है। जो व्यक्ति उस प्रणाली में अधिकांश समय बिताता है, वह वास्तविक दुनिया के वातावरण से अलग हो जाता है। यह व्यक्ति की रोजगार क्षमता को कम करता है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम व्यावसायिक शिक्षा और कौशल पहलुओं को एकीकृत करते हुए पाठ्यक्रम सुधार करके युवाओं के लिए रोजगार सृजन में योगदान दें।

पाठ्यक्रम में अनुभवात्मक शिक्षा, कौशल, व्यावसायिक शिक्षा और सामुदायिक सहभागिता गतिविधियों को शामिल करने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीतियों और पद्धतियों के लिए जोरदार तरीके से काम कर रहा है। इससे पहले एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली और चार क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों (आर.आई.ई.) मैसूर, भुवनेश्वर, भोपाल और शिलांग में व्यावसायिक शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षण और कौशल पर पांच राष्ट्रीय कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिसमें एन.सी.ई.आर.टी. के संयुक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक पी.एस.एस.सी.आई.वी.ई. और आर.आई.ई. के चुनिंदा संकाय ने बहुत उत्साहजनक रूप से भाग लिया।

शिक्षक शिक्षा संस्थानों को अनुभवात्मक शिक्षण, कौशल और व्यावसायिक शिक्षा पद्धतियों को शामिल करने के लिए अपने पाठ्यक्रम को मजबूत करने की आसन्न आवश्यकता है, जैसा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 द्वारा भी जोर दिया गया है। राष्ट्रीय एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 17, 18 और 19 अक्टूबर 2022 को संकाय विकास केंद्र, एम.जी.एन.सी.आर.ई., हैदराबाद में "विषय पद्धति द्वारा शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा" पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। पाठ्यक्रम, व्यावसायिक शिक्षा और विषय पद्धति - विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित और भाषा के प्रत्येक एसटीएटी शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.) विभागों के दो वरिष्ठ संकाय ने राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया। रोड मैप देश भर में अनुवर्ती कार्यशालाओं – एस.सी.ई.आर.टी. वार और जिलावार (डायट) का आयोजन करना है।

निम्नलिखित पहलुओं पर जोर दिया गया:

- व्यावसायिक शिक्षा, अनुभवात्मक शिक्षण और कौशल
- छात्र-शिक्षक कौशल विकास
- 4 विषय पद्धतियां - सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, भाषा, गणित
- शिक्षक शिक्षा प्रथाओं में कौशल विकास के पहलू
- स्कूल - क्षेत्र का दौरा
- के.एस.ए. - ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण
- 4 शिक्षक शिक्षा में नए कौशल घटकों का एकीकरण तरीके
- एक स्कूल में व्यावसायिक शिक्षा / कौशल के अवसर
- व्यक्तिगत कार्य योजना की तैयारी

कार्यशाला में 20 एस.सी.ई.आर.टी. (केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, बिहार, सिक्किम, झारखंड, ओडिशा और असम) के 39 संकायों ने भाग लिया। कक्षा 6 - 8 और कक्षा 9 - 10 के छात्रों के लिए पद्धति आधारित और अभ्यास आधारित दृष्टिकोण लिया गया था। कार्यशाला का पहला दिन पद्धति-आधारित दृष्टिकोण के लिए आवंटित किया गया था, दूसरा दिन अभ्यास-आधारित दृष्टिकोण के लिए आवंटित किया गया था और तीसरा और अंतिम दिन भविष्य की कार्रवाई के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए आवंटित किया गया था। प्रतिभागियों के बहुमूल्य इनपुट और विचार-विमर्श शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने और एकीकृत करने के लिए बेहद समृद्ध और उत्साहजनक थे।

हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर के केंद्रीय विद्यालय की एक स्कूल यात्रा आयोजित की गई थी। पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण क्षेत्रों द्वारा विभाजित प्रतिभागियों द्वारा कक्षाओं में बाग्लेस डे एक्टिविटी और अभ्यास-आधारित सक्रियताओंको लागू किया गया था। प्रतिभागियों ने कक्षा 6-8 और कक्षा 9-10 के लिए अलग-अलग '10 बैगलेस दिनों के लिए विचार पैदा करने पर काम किया। इसमें प्रतिभागियां शामिल थे जो छात्रों से उनके माता-पिता या परिवार के सदस्यों या उनके स्थानीय क्षेत्रों में लोकप्रिय लोगों द्वारा पीछा किए जा रहे व्यवसायों को प्राप्त करते थे; 10 सरल आय सृजन गतिविधियों पर चर्चा करना और पहचानना; छात्रों को एक गतिविधि के लिए वोट देने के लिए जिसे वे आगे बढ़ाना चाहते हैं; पांच शीर्ष गतिविधियों को सूचीबद्धकरना; छात्रों को दस बैगलेस दिनों में सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद करने के लिए स्कूल के साथ विवरण साझा करना, और बाद में स्कूल में अध्ययन करते समय आय सृजन के लिए उनका पीछा करना; और अंत में आयोजित गतिविधि की एक रिपोर्ट।

*केन्द्रीय विद्यालय की प्रधानाचार्य **श्रीमती सरिता पुनिया** ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. टीम और एस.सी.ई.आर.टी. प्रतिभागियों के प्रयासों का स्वागत किया*

अभ्यास आधारित गतिविधि में प्रतिभागियों ने एक निर्दिष्ट कक्षा में एक चुने हुए विषय पद्धति में एक कौशल निर्माण गतिविधि को लागू करते हैं; इसे उस ग्रेड और नौकरी की भूमिका के लिए पाठ्यक्रम पहलुओं से जोड़ते हैं; और अंत में आयोजित गतिविधि की एक रिपोर्ट की तैयारी की हैं। अगले दिन के स्कूल दौरे के दौरान छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण को अंतिम रूप दिया गया। प्रतिभागियों ने एक आम सहमति पर पहुंचे कि 'गतिविधि जो एक छात्र को रुचि रखती है' को छात्र द्वारा केवल बातचीत के माध्यम से निर्दिष्ट किया जाना चाहिए। कारीगरों ने अपने राज्यों, शहरों, संस्कृति, स्थानीय कला कृतियों को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक गतिविधियों को भी सूचीबद्ध किया।

प्रतिपुष्टि

"अब हम शिक्षा और नौकरियों के बीच संबंध को समझते हैं"

"हम अब एन.ई.पी. 2020 के साथ ट्रैक पर हैं"

"अनुभवात्मक शिक्षा को नया जीवन दिया गया है"

"शिक्षक शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा - दृष्टि स्पष्ट है"

"हमने सीखना सीख लिया है"

"एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा महान मार्गदर्शन"

एस.सी.ई.आर.टी. प्रतिभागियों - पूर्व, दक्षिण, उत्तर और पश्चिम क्षेत्र - पद्धतियों, प्रथाओं, कौशल निर्माण और कार्य योजनाओं पर मंथन

स्कूल दौरा के झलक

स्थापना दिवस

हमने अकादमिक और स्थिरता में योगदान दिया है .....

19 अक्टूबर को परिषद् के स्थापना दिवस के रूप में मनाया गया। एम.जी.एन.सी.आर.ई. शासी निकाय के सदस्य, डॉ. भरत पाठक, प्रो. नटराजन, डॉ. सी. उमामहेश्वर राव और डॉ. निरुपमा देशपांडे ने कार्यशाला के समापन सत्र की शोभा बढ़ाई। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के सहायक निदेशक डॉ. देबेंद्र नाथ दास ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. (पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद् एन.सी.आर.आई.) के इतिहास को याद किया। पूर्व प्रधानमंत्री श्री पी. वी. नरसिम्हा राव ने ग्रामीण उच्चतर शिक्षा में हस्तक्षेप के माध्यम से ग्रामीण भारत के विकास के उद्देश्य से 1995 में आज ही के दिन एन.सी.आर.आई. की स्थापना की थी।

डॉ. निरुपमा देशपांडे ने अपने संबोधन में कहा कि व्यक्तियों को हमेशा लर्न-अनलर्न-रिलर्न के सिद्धांत का पालन करना चाहिए। हमें अपने अंदर बच्चे को ले जाने और बच्चों के साथ काम करने की जरूरत है।

डॉ भारत पाठक ने विचार व्यक्त किए -3 दिनों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. कार्यक्रम ने आगे के काम के लिए टोन और माइंड सेट सेट किया है। हम छह साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं और हमारे कार्यों की धारा में चीजों के दृष्टिकोण के एक व्यवस्थित तरीके में योगदान दे रहे हैं। हम के परिणाम को एकीकृत करने की योजना है।

प्रोफेसर नटराजन ने ग्रामीण विकास के महत्व पर जोर दिया और यह भी याद दिलाया कि, महात्मा गांधी का यही सपना है। गांधीग्राम में शिक्षक शिक्षा है। स्कूली शिक्षा देश को मजबूत बनाती है। आपकी भावनाओं को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त किया जाती है।

डॉ. सी. उमामहेश्वर राव ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली दुनिया के किसी भी अन्य ज्ञान से बहुत आगे है क्योंकि यह आस्था पर आधारित नहीं है बल्कि प्रयोग पर आधारित है। संगठन का यह 28वां स्थापना दिवस है। बदलते परिवेश में हमारी भूमिका संस्था का विकास करेगी। जो संस्थान हमेशा काम करने का प्रयास करते हैं, वे सफल होंगे, दृढ़ संकल्प, प्रतिबद्धता और समर्पण के माध्यम से परिवर्तन संभव है। अध्यापक शिक्षा उच्चतर शिक्षा में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली है। एम.जी.एन.सी.आर.ई. के अध्यक्ष **डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार** ने कहा कि 'सीखना सीखना चाहिए' क्योंकि सीखना एक सतत प्रक्रिया है। हम एक-दूसरे का मार्गदर्शन करते हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. की सदस्य सचिव डॉ. नागलक्ष्मी ने धन्यवाद दिया।

राष्ट्रीय कार्यशाला के बाद विभिन्न राज्यों के एस.सी.ई.आर.टी. ने एजेंडे को आगे बढ़ाने में रुचि दिखाई।

एस.सी.ई.आर.टी. मध्य प्रदेश

एस.सी.ई.आर.टी. ओडिशा

एस.सी.ई.आर.टी. उत्तर प्रदेश

डी.एस.ई.आर.टी. कर्नाटक

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. निदेशक एस.सी.ई.आर.टी. गोवा, श्री एन. जी. होनेकेरी के साथ

उद्यमिता पर प्रतियोगिताएं
कार्यशालाएं - छात्र उद्यमिता

जैसा कि देश **राष्ट्रीय उद्यमिता माह 19 अक्टूबर - 20 नवंबर 2022** मना रहा है, एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने पूरे देश में उच्चतर शिक्षा संस्थानों में उद्यमिता पर प्रतियोगिताओं का आह्वान किया है। जिला कलेक्टरों और प्रशासनिक प्रमुखों द्वारा पोस्टर विमोचित किए गए।

उच्चतर शिक्षा आयुक्त कार्यालय मध्य प्रदेश में पोस्टर का विमोचन किया गया

राष्ट्रीय उद्यमिता माह उद्यमशीलता गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए एक आदर्श मंच है। उद्यमिता पर प्रतियोगिताओं के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. का आह्वान व्यावसायिक शिक्षा और कौशल के महत्व को उजागर करने के लिए एक स्वागत योग्य प्रयास है। डिग्री कॉलेजों से स्नातक करने वाले छात्रों के लिए परिसर में कौशल निर्माण को सक्षम करना महत्वपूर्ण है। प्रत्येक कॉलेज को उद्यमिता और कारीगरी दोनों को बढ़ावा देने के लिए छात्र स्वयं सहायता समूह (एस.एस.एच.जी.) का गठन करना चाहिए। कॉलेजों के छात्र पूर्व छात्रों को ऑल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन के माध्यम से ऐसे एस.एस.एच.जी. के प्रयासों का समर्थन करना चाहिए। ऐसे समूह/प्रकोष्ठ स्थानीय व्यवसायों और स्थानीय प्रशासन के साथ इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप में भी मदद कर सकते हैं। अनुभवात्मक शिक्षा से संबंधित ऐसी प्रथाओं से युवाओं को कौशल प्रदान करने में प्रथाओं में स्थिरता आ सकती है।

श्री रिचर्ड टोकबी, कार्यकारी सदस्य, कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (के.ए.ए.सी.), दीफू, असम पोस्टर विमोचित करते हुए और मीडिया से बात करते हुए

एम.जी.एन.सी.आर.ई. संस्थागत प्रकोष्ठों - सामाजिक उद्यमिता, स्थिरता और ग्रामीण सहभागिता प्रकोष्ठों (एस.ई.एस.आर.ई.सी.), व्यावसायिक शिक्षा, नई तालीम और अनुभवात्मक शिक्षण प्रकोष्ठों (वेंटेल), और उच्चतर शिक्षण संस्थानों में ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों (आरईडीसी) का गठन और अनुसरण करके व्यावसायिक शिक्षा, कौशल और उद्यमिता को बढ़ावा दे रहा है।

श्री मुकुल सैकिया, प्रधान सचिव के.ए.ए.सी. पोस्टर का विमोचन करते हुए

परिसर और समुदाय के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. जुड़ाव गैर-लाभकारी है और छात्रों में अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से सामाजिक जिम्मेदारी और जीवन मूल्यों को विकसित करने के एक हिस्से के रूप में है। उच्चतर शिक्षा संस् थानों से अनुरोध किया गया है कि वे व् यावसायिक शिक्षा और कौशल, ग्रामीण उद्यमिता विकास और सामाजिक उद्यमिता पर प्रकोष्ठों का गठन करके इस राष् ट्रीय उद्देश्य को अपना समर्थन दें। उद्यमिता पर प्रतियोगिताओं पर एम.जी.एन.सी.आर.ई. का पोस्टर विमोचन किया गया था, जिसमें राष्ट्रीय उद्यमिता माह में दिवस और महिला उद्यमिता दिवस का आह्वान किया गया था।

सीखने में आप सिखाएंगे, और शिक्षण में आप सीखेंगे। - फिल कॉलिन्स

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद के उद्यमिता पर आयोजित प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन

अपर जिला कलेक्टर राजसमंद श्री रामचरण शर्मा ने नाथद्वारा में पोस्टर का विमोचन किया

श्री शांतनु शर्मा आई.ए.एस. उपायुक्त कुरुक्षेत्र, हरियाणा ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. का पोस्टर विमोचन किया

डिग्री कॉलेजों में बनेगा छात्र स्वयं सहायता समूह : डीडीसी

ರಾಷ್ಟ್ರೀಯ ಉದ್ಯಮಶೀಲತಾ ಮಾಸಾಚರಣೆಯ ಪೋಸ್ಟರ್ ಬಿಡುಗಡೆ

डॉ. प्रियंका सोनी आई.ए.एस. उपायुक्त अंबाला, हरियाणा ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. पोस्टर विमोचन किया

उपायुक्त डॉ. प्रियंका सोनी ने उद्यमिता पर प्रतियोगिताओं के लिए पोस्टर लॉन्च किया

Beha keklem aphuthak kachepate DIET along pado bomlo

उपायुक्त ने किया एमजीएनसीआरइ के पोस्टर कॉलिंग का शुभारंभ

हसन कर्नाटक

सिक्किम के 2 जिलों, त्रिपुरा के 3 जिलों, पश्चिम बंगाल के 6 जिलों में 137 संस्थानों में आर.ई.डी.सी./एस.ई.एस.आर.ई.सी./वेटेल प्रकोष्ठ स्थापित किए गए थे। असम के कार्बियांगलोंग में पोस्टर विमोचन कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय उद्यमिता दिवस और महिला उद्यमिता दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल ऑफ एलॉइड हेल्थ साइंसेज, वी.एम.आर.एफ.-डी.यू. के ई-सेल और ई.वी.एस. क्लब के छात्रों ने एम.जी.एन.सी.आर.ई. की सिफारिश के अनुसार स्टॉल आयोजित किए संरक्षक जिसमें छात्रों द्वारा क्रिएटिव प्रदर्शित किए गए और स्टॉल में बिक्री के लिए रखा गया और आगंतुकों द्वारा अच्छी तरह से सराहा गया।

शादान कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हैदराबाद में प्रतियोगिताएं

వార్త

ఎంటర్ ప్రీనియర్ పోస్టర్ ఆవిష్కరణ

एम.जी.एन.सी.आर.ई. प्रकोष्ठों के गठन और कार्यप्रणाली पर जिला स्तरीय कार्यशालाएँ उत्तर प्रदेश

जिला-अंबेडकरनगर
स्थान: राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज

जिला: गोरखपुर
स्थान: प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान (आई.टी.एम.) जी.आई.डी.ए., गोरखपुर

कार्यशाला का किया गया आयोजन

जिला: वाराणसी
स्थान: प्रबंधन अध्ययन संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

बरेली - प्रतिभागियों में बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रोहिलखंड कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ फार्मेसी, केशलता कॉलेज ऑफ फार्मेसी, रोहिलखंड कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल साइंस, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड

हॉस्पिटल, बी.आई.यू. कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, बी.आई.यू. कॉलेज के रजिस्ट्रार, प्रिंसिपल और फैकल्टी शामिल थे। मानविकी विभाग, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, और दंत चिकित्सा विज्ञान संस्थान।

एस.आर.आर. डिग्री कॉलेज, जांगोअन जिला, तेलंगाना में कार्यशाला में 14 संस्थानों ने भागलिया

गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, महबूबाबाद तेलंगाना में कार्यशाला 16 संस्थानों के 28 प्रतिभागी

काकतीय विश्वविद्यालय, वारंगल, तेलंगाना में कार्यशाला

एम.जी. यूनिवर्सिटी नलगोंडा में कार्यशाला

मातृश्री इंजीनियरिंग कॉलेज हैदराबाद में कार्यशाला

एम.वी.एस.आर. इंजीनियरिंग कॉलेज हैदराबाद में कार्यशाला

गोकाराजू रंगराजू इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (जी.आर.आई.ई.टी.) में मेडचल मलकाजगिरी जिले में कार्यशाला

के, जी. रेड्डी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रंगा रेड्डी जिले में कार्यशाला

कार्यशालाओं के मुख्य उद्देश्य -

- *उद्यमिता, स्थिरता, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल* के विभिन्न पहलुओं को पेश करना और प्रदर्शित करना
- *उच्चतर शिक्षण संस्थानों के बीच सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता प्रथाओं को बढ़ावा देना*
- *छात्र स्वयं सहायता समूहों का गठन - उच्चतर शिक्षण संस्थानों में एक टीम।*
- *एच.ई.आई. को विकास चुनौतियों की पहचान करने और उचित समाधान लाने, स्थिरता में तेजी लाने में ग्रामीण समुदाय के साथ काम करने में सक्षम बनाना*
- *अपने परिसर में उद्यमिता, स्थिरता, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल को बढ़ावा देने के लिए एच.ई.आई. के प्रयासों की सराहना करना और भविष्य की कार्य योजनाओं पर चर्चा करना*

महात्मा गांधी ग्रामीण इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत अप्रेंटिसशिप
7-दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने एम.एस.डब्ल्यू. या एम.बी.ए. या एम.एड. या एम.ए. (एडु.) से उच्चतर शिक्षा और ग्रामीण चिंताओं के क्षेत्र में एम.जी.एन.सी.आर.ई. भारत रत्न नानाजी देशमुख रूरल अप्रेंटिसशिप प्रोग्राम - 2022-23 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं. प्रशिक्षुओं का चयन ग्रामीण चिंताओं से उनकी संबद्धता के आधार पर किया गया था। प्रशिक्षुओं से देश के उच्चतर शिक्षण संस्थानों में एम.जी.एन.सी.आर.ई. कार्य को ऑनलाइन और ऑफलाइन समन्वयित करने की उम्मीद है। प्रशिक्षुओं को एफ.डी.सी. एम.जी.एन.सी.आर.ई. में रखा गया था। उन्हें एम.जी.एन.सी.आर.ई. संसाधन व्यक्ति द्वारा उद्यमिता की अवधारणाओं से परिचित कराया गया था

अप्पारेड्डीगुड़ा, मोइनाबाद मंडल, रंगारेड्डी जिले का एक फील्ड दौरा आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने ग्रामीणों के साथ अपने व्यवसायों के बारे में बातचीत की, कैसे उन्होंने अपने उत्पादों का विपणन किया और उन्हें बेचा। प्रशिक्षु उद्यमी गतिविधियों में लगे हुए थे और व्यावहारिक रूप से अपने अभिविन्यास कार्यक्रम के हिस्से के रूप में उत्पादों का उत्पादन, विपणन और बिक्री करते थे।

उद्यमिता पर अधिक प्रतियोगिताएं - देश भर के उच्चतर शिक्षा संस्थानों की रिपोर्ट

श्री रामचंद्रन, मेयर, सेलम सिटी द्वारा जारी किया गया पोस्टर

प्रवीण कुमार अभिनापु, आई.पी.एस., पुलिस उप महानिरीक्षक, सलेम रेंज द्वारा पोस्टर जारी किया गया

DC Santosh launches GoI's student entrepreneurship broacher

Ladakh Images news
Kargil, October 17
Deputy Commissioner/CEO, LAHDC, Kargil Santosh Sukhadeve and MGNCRE, MoE, GoI, Resource person Dr Sankara Rao Kecherla Assistant Professor, University of Ladakh, today released Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE), Ministry of Education, Govt. of India student entrepreneurship broacher The DC released the broacher as part of promoting Entrepreneurship and Workmanship during National Entrepreneurship Month held from October 19 to November 20.MGNCRE has called for forming Student Self-Help Groups (SSHGs) to promote both entrepreneurship and workmanship in Higher Education Institutions to support the efforts of Entrepreneurship Development

उपायुक्त/सी.ई.ओ., एल.ए.एच.डी.सी., कारगिल द्वारा उद्यमिता पर पोस्टर का विमोचन किया गया। श्री संतोष सुखादेव

महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाग, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष: 040-23212120, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@mgncre.in, वेबसाइट: www.mgncre.org
संपादक: डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित
RNI NO: TELENG/2021/81111